रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 725] नई दिल्ली, सोमवार, अक्तूबर 1, 2001/आश्विन 9, 1923
No. 725] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 1, 2001/ASVINA 9, 1923

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2001

का.आ. 985(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में आईसीआईसीआई लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋण पत्रों की प्रकृति के कुल 400 करोड़ रुपये मात्र से अनधिक मूल्य के मोचनीय बांड (आईसीआईसीआई बांड-अगस्त, 2001) प्राधिकृत करती है :—

1. टैक्स सेविंग बांड;
2. रेगुलर इन्कम बांड;
3. मनी मल्टीप्लायर बांड;
4. चिल्ड्रन ग्रोथ बांड;
5. इनकैश बांड।

[फा. सं. 6/10/सी.एम./2001]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2001

S.O. 985(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the Redeemable Bonds (ICICI Bonds-August, 2001) in the nature of debentures as :—

1. Tax Saving Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond;
4. Children Growth Bond;
5. Encash Bond;

of the total aggregate value not exceeding rupees four hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/10/CM/2001]

DR. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

3083 GI/2001

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.